Your Health in Your Pocket: The Digital Revolution

What is the Issue?

For decades, Indian patients have struggled with "paper trails"—lost prescriptions, torn lab reports, and forgotten medical histories. When emergencies strike, doctors often lack the vital data needed to save lives. The **Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM)** is the government's solution to bridge this gap.

Why It Matters Today

As of late 2025, over **79 Crore ABHA accounts** have been created nationwide. By 2026, digital compliance is becoming mandatory for many hospitals and insurance claims.

- **Zero Paper Loss:** Your reports won't fade or get lost.
- **Consent-Driven:** *You* decide which doctor sees what data.
- **Speed:** Scan a QR code at the hospital to skip the long registration queue.

New Advancements (2025-26 Update)

- **Scan & Share 2.0:** Most Maharashtra hospitals now feature "Agnostic QR Codes". One scan via the ABHA app instantly shares your profile with the OPD, generating a token in seconds.
- **AI-Assisted Records:** New PHR (Personal Health Record) apps now use simple AI to categorize your uploaded reports into "Diabetes," "Cardiac," or "Vaccinations" automatically.

What the Public Should Do

1. **Create your ABHA ID:** Use your Aadhaar and mobile number at abdm.gov.in or your local pharmacy.
2. **Download the App:** Use the **ABHA App** or **Aarogya Setu** to view your records.
3. **Link Your Records:** Ask your lab or hospital to "link" your report to your 14-digit ABHA number instead of giving a printout.
4. **Grant Consent:** When visiting a new doctor, look for the ABDM logo and share your records digitally for a more accurate diagnosis.

Role of Pharmacists: What This Means for You

Pharmacists are the "Digital Health Ambassadors" of the community.

- **ABHA Desk:** Your pharmacy can act as a registration point to help elderly or non-tech-savvy patients create their ABHA IDs.
- **Digital Prescriptions:** By using ABDM-compliant software, you can receive digital prescriptions directly, reducing errors from illegible handwriting.
- **Incentives:** Pharmacies can earn government incentives (up to ₹20 per transaction) for digitizing records under the **Digital Health Incentive Scheme (DHIS)**.
- **Actionable Item:** Display an "Ask me about ABHA" poster. Helping a patient digitize their record today ensures they get the right medicine in a future emergency.

💡 **Interesting Fact:** Your ABHA ID is not just for Allopathy; it also links your records for **AYUSH** treatments (Ayurveda, Yoga, Unani, Siddha, and Homeopathy).

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsl

शीर्षक: आपका स्वास्थ्य आपकी जेब में: डिजिटल क्रांति

१. समस्या क्या है? दशकों से भारतीय मरीज कागजी कार्रवाई के बोझ—जैसे खोए हुए नुस्खे (Prescriptions), फटी हुई लैब रिपोर्ट और भूली हुई मेडिकल हिस्ट्री—से परेशान रहे हैं। आपातकाल के समय, डॉक्टरों के पास अक्सर मरीज की जान बचाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण डेटा नहीं होता। 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' (ABDM) इस अंतर को पाटने के लिए सरकार का एक ठोस समाधान है।

२. आज यह महत्वपूर्ण क्यों है? २०२५ के अंत तक, देश भर में ७९ करोड़ से अधिक 'आभा' (ABHA) खाते बनाए जा चुके हैं। २०२६ तक, कई अस्पतालों और बीमा दावों के लिए डिजिटल नियमों का पालन अनिवार्य हो रहा है।

- शून्य कागज हानि: आपकी रिपोर्ट कभी गुम नहीं होगी।
- सहमति-आधारित: आप तय करते हैं कि कौन सा डॉक्टर आपका कौन सा डेटा देखेगा।
- रफ़्तार: अस्पताल में लंबी लाइनों से बचने के लिए बस क्यूआर (QR) कोड स्कैन करें।

३. हालिया अपडेट (२०२५-२६)

- स्कैन एंड शेयर २.०: महाराष्ट्र के अधिकांश अस्पतालों में अब "अग्नोस्टिक क्यूआर कोड" हैं। आभा ऐप से एक स्कैन करते ही आपकी जानकारी ओपीडी (OPD) को मिल जाती है और सेकंडों में टोकन मिल जाता है।
- एआई-सहायता प्राप्त रिकॉर्ड: नए पीएचआर (PHR) ऐप अब आपकी रिपोर्ट को "मधुमेह," "हृदय," या "टीकाकरण" जैसी श्रेणियों में स्वचालित रूप से वर्गीकृत करने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं।

४. जनता को क्या करना चाहिए?

- आभा आईडी बनाएं: abdm.gov.in पर या अपनी स्थानीय फार्मेसी में आधार और मोबाइल नंबर का उपयोग करके अपनी आईडी बनाएं।
- ऐप डाउनलोड करें: अपने रिकॉर्ड देखने के लिए 'ABHA ऐप' या 'आरोग्य सेतु' का उपयोग करें।
- रिकॉर्ड लिंक करें: लैब या अस्पताल से अपनी रिपोर्ट को प्रिंटआउट के बजाय आपके १४-अंकीय आभा नंबर से "लिंक" करने के लिए कहें।

- सहमति दें: नए डॉक्टर के पास जाने पर डिजिटल रूप से रिकॉर्ड साझा करें ताकि वे सटीक निदान कर सकें।

५. फार्मासिस्ट की भूमिका: आपके लिए इसका क्या अर्थ है? फार्मासिस्ट समाज के "डिजिटल स्वास्थ्य दूत" हैं।

- आभा डेस्क: आपकी फार्मेसी बुजुर्गों या तकनीक से अनजान मरीजों की आभा आईडी बनाने में मदद कर सकती है।
- डिजिटल नुस्खे: डिजिटल नुस्खे सीधे प्राप्त करने से खराब लिखावट के कारण होने वाली गलतियाँ कम होंगी।
- प्रोत्साहन: डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना (DHIS) के तहत रिकॉर्ड डिजिटल करने पर फार्मेसियों को सरकारी प्रोत्साहन (₹२० प्रति ट्रांजैक्शन तक) मिल सकता है।
- मुख्य कार्य: अपनी दुकान पर "आभा के बारे में मुझसे पूछें" का पोस्टर लगाएं।

💡 दिलचस्प तथ्य: आपकी आभा आईडी न केवल एलोपैथी के लिए है; यह आयुष उपचारों (आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) के रिकॉर्ड को भी जोड़ती है।

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsl

तुमचे आरोग्य तुमच्या खिशात: डिजिटल क्रांती

१. समस्या काय आहे? गेल्या अनेक दशकांपासून भारतीय रुग्ण हरवलेली प्रिस्क्रिप्शन्स, फाटलेले लॅब रिपोर्ट्स आणि विसरलेला वैद्यकीय इतिहास यांमुळे त्रस्त आहेत. आणीबाणीच्या वेळी, अनेकदा डॉक्टरांकडे रुग्णाचे प्राण वाचवण्यासाठी आवश्यक असलेली माहिती उपलब्ध नसते. ही दरी सांधण्यासाठी सरकारने 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' (ABDM) सुरू केले आहे.

२. आज हे महत्त्वाचे का आहे? २०२५ च्या अखेरपर्यंत देशभरात ७९ कोटींहून अधिक 'आभा' (ABHA) खाती तयार झाली आहेत. २०२६ पर्यंत अनेक रुग्णालये आणि विमा दाव्यांसाठी (Insurance claims) डिजिटल रेकॉर्ड अनिवार्य होत आहेत.

- कागदपत्रे हरवण्याची भीती नाही: तुमचे रिपोर्ट कधीही खराब होणार नाहीत किंवा हरवणार नाहीत.
- तुमची संमती महत्त्वाची: तुमची माहिती कोणत्या डॉक्टरांना दाखवायची, याचा निर्णय तुमचा असेल.
- वेग: रुग्णालयातील नोंदणीच्या लांबच लांब रांगा टाळण्यासाठी फक्त क्यूआर (QR) कोड स्कॅन करा.

३. नवीन घडामोडी (२०२५-२६ अपडेट)

- स्कॅन अँड शेअर २.०: महाराष्ट्रातील बहुतांश रुग्णालयांमध्ये आता "अग्नोस्टिक क्यूआर कोड" उपलब्ध आहेत. आभा अॅपद्वारे स्कॅन करताच तुमची माहिती ओपीडीला मिळते आणि काही सेकंदात टोकन जनरेट होते.
- एआई-आधारित रेकॉर्ड: नवीन पीएचआर (PHR) अॅप्स आता एआई (AI) चा वापर करून तुमचे रिपोर्ट "मधुमेह", "हृदयविकार" किंवा "लसीकरण" यांसारख्या विभागांत आपोआप वर्गीकृत करतात.

४. सामान्य जनतेने काय करावे?

- आभा आयडी तयार करा: abdm.gov.in वर किंवा जवळच्या फार्मसीमध्ये आधार आणि मोबाईल नंबर वापरून तुमचा आयडी बनवा.

- ॲप डाउनलोड करा: तुमचे रेकॉर्ड पाहण्यासाठी 'ABHA App' किंवा 'Aarogya Setu' वापरा.
- रेकॉर्ड लिंक करा: लॅब किंवा रुग्णालयाला तुमचा रिपोर्ट कागदावर देण्याऐवजी तुमच्या १४-अंकी आभा क्रमांकाशी "लिंक" करायला सांगा.
- डिजिटल संमती: अचूक निदानासाठी नवीन डॉक्टरांकडे गेल्यास तुमची माहिती डिजिटल स्वरूपात शेअर करा.

५. फार्मसिस्टची भूमिका: फार्मसिस्टसाठी याचे महत्त्व फार्मसिस्ट हे समाजाचे "डिजिटल आरोग्य दूत" आहेत.

- आभा डेस्क: तुमची फार्मसी ज्येष्ठ नागरिकांना किंवा तंत्रज्ञान न समजणाऱ्या रुग्णांना आभा आयडी बनवून देण्यासाठी मदत केंद्र म्हणून काम करू शकते.
- डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन: डिजिटल प्रिस्क्रिप्शनमुळे डॉक्टरांच्या न समजणाऱ्या हस्ताक्षरामुळे होणाऱ्या औषधोपचारांमधील चुका टाळता येतील.
- प्रोत्साहन: डिजिटल हेल्थ इन्सेंटिव्ह स्कीम (DHIS) अंतर्गत रेकॉर्ड डिजिटल केल्याबद्दल फार्मसीला सरकारी प्रोत्साहन भत्ता (प्रति व्यवहार ₹२० पर्यंत) मिळू शकतो.
- कृती आराखडा: तुमच्या फार्मसीमध्ये "आभा (ABHA) बद्दल मला विचारा" असा पोस्टर लावा.

💡 रंजक तथ्य: तुमचा आभा आयडी केवळ ॲलोपॅथीसाठी नाही, तर तो आयुष (आयुर्वेद, योग, युनानी, सिद्ध आणि होमिओपॅथी) उपचारांची माहिती देखील लिंक करतो.

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsl